मृदा एवं जल संरक्षण (Soil &Water Conservation)

महाराणा प्रताप अध्ययन एवं जन कल्याण संस्थान जयपुर द्वारा भूमि एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में आरम्भ से ही कार्य किया जा रहा हैं। राजस्थान के चूरू जिले में दानदाताओं के सहयोग से वर्षा जल संरक्षण कुण्डों का निर्माण कराया गया वहीं भूमि सुधार के कार्यक्रम संचालित किये गये जिससे ग्रामीणों को लाभ मिला।

इसी प्रकार राजस्थान के सीकर जिले में राजस्थान इन्टीग्रेटेड फ्लोरोसिस मैनेजमेंट कार्यक्रम फेज प्रथम का संचालन सीकर जिले में किया गया। यह परियोजना जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, राजस्थान सरकार तथा यूनीसेफ के साझा प्रयासों से संचालित की गई। इस परियोजना में 5 पीपीएम फ्लोराईड की मात्रा से अधिक के गांवों में ग्रामीणों को डीडीएफयू किट का वितरण किया गया। ग्रामीणों को फ्लोराईड के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम में रिजनरेशन सेन्टर बनाया गया जिसका संचालन पूर्णतया ग्रामीणों द्वारा किया गया इस सेन्टर में फ्लोराईड किटों के रिजनरेशन कर उन्हें पुर्नजीवित किया गया। ग्रामीणों की जल एवं स्वच्छता समिति ने गांव में डीडीएफयू किटों के वितरण में सहयोग किया वहीं ग्रामीणों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया।

इसी प्रकार राजस्थान के सीकर जिले में राजस्थान इन्टीग्रेटेड फ्लोरोसिस मैनेजमेंट कार्यक्रम फेज द्वितीय का संचालन सीकर जिले के फतेहपुर ब्लाक में किया गया। जन सहभागिता आधारित इस परियोजना में 3 पीपीएम फ्लोराईड की मात्रा से अधिक के गांवों में ग्रामीणों को डीडीएफयू किट का वितरण किया गया। ग्रामीणों को फ्लोराईड के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया गया। कार्यक्रम के तहत ग्रामीणों की सहभागिता से ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की स्थापना कराई गई। कार्यक्रम में रिजनरेशन सेन्टर बनाया गया जिसका संचालन

पूर्णतया ग्रामीणों द्वारा किया गया इस सेन्टर में फ्लोराईड किटों के रिजनरेशन कर उन्हें पुर्नजीवित किया गया। ग्रामीणों की जल एवं स्वच्छता समिति ने गांव में डीडीएफयू किटों के वितरण में सहयोग किया वहीं ग्रामीणों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित किया।

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना–2 के तहत सीकर जिले के चालीस गांवों में भूमि एवं जल संरक्षण के कार्य किये जा रहे हैं। जल संरक्षण के कार्यों में एनीकट, चैकडैम, रिनोवेशन एवं रेस्टोरेशन आफ ट्रेडिशनल वाटर हारवेस्टिंग स्ट्रक्चर के कार्य कराये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त चारागाह विकास योजना के तहत पंचायत एवं वन विभाग के अधीन जोहड़ों एवं बीड़ क्षेत्रों में चारागाह विकास कार्य करवाये जा रहे हैं।

वर्षा जल संरक्षण कुण्ड का एक दृश्य

सीकर जिले के हर्ष गांव में प्रस्तावित जल संरक्षण कार्य का एक दृश्य

राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना के तहत सीकर जिले के हर्ष गांव में प्रस्तावित भूमि कार्य का एक दृश्य